DEPARTMENT OF COMMUNICATION&MEDIA TECHNOLOGY

DIGITAL NEWSLETTER

FORTNIGHTLY

15-31 MAY 2026

जे.सी.बोस यूनिवर्सिटी का मीडिया विभाग भविष्य के पत्रकारों की कल्पना को कर रहा साकार

वर्तमान दौर में जब मीडिया पूरी दुनिया की सोच, संवाद और संपर्क को आकार दे रहा है, जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए का 'संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग उभरते हुए कहानीकारों, पत्रकारों, फिल्म मेकर्स और डिजिटल क्रिएटर्स के लिए एक बेहतरीन मंच साबित हो रहा है। यह विभाग केवल एक शैक्षणिक केंद्र नहीं, बल्कि एक ऐसा जीवंत और रचनात्मक स्थान है जहां विद्यार्थियों के जुनून को पेशेवर उड़ान मिलती है। यहाँ थ्योरी से ज्यादा प्रैक्टिकल एक्सपोजर, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और रचनात्मक आजादी पर जोर दिया जाता है, जिसमें डिजिटल मीडिया स्टूडियो एक सुदृढ़ आधार है।आइए जानते हैं इस मीडिया विभाग की उन विशेषताओं के बारे में, जो छात्रों को वास्तविक मीडिया इंडस्ट्री के लिए तैयार कर रही हैं:

आत्मविश्वास और लाइव एंकरिंग की एबीसी: मीडिया स्टूडियो

संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग का अत्याधुनिक 'डिजिटल मीडिया स्टूडियो' यहाँ का दिल है, जो विद्यार्थियों को एक पेशेवर टेलीविजन न्यूजरूम में कार्य करने का वास्तविक अनुभव प्रदान करता है। क्रेन सहित थ्री-कैमरा सेटअप, इंटरव्यू व पैनल डिस्कशन सेट्स, ग्रीन क्रोमा टेक्नोलॉजी, स्टूडियो लाइटिंग और टेलीप्रॉम्प्टर जैसी सुविधाओं से लैस यह स्टूडियो लाइव प्रोडक्शन की बारीकियां सिखाता है। यहाँ छात्र न्यूज़ बुलेटिन एंकरिंग, कैमरे के पीछे का संचालन और स्टूडियो शूट्स खुद संभालते हैं, जिससे उनका ऑन-कैमरा आत्मविश्वास मजबूत होता है।

ग्रीन रूम: प्रस्तुतीकरण और ग्रूमिंग का पाठ

कैमरे के सामने आने से पहले की तैयारी के लिए विभाग में एक शानदार ग्रीन रूम बनाया गया है। वैनिटी मिरर, डेकोरेटिव लाइटिंग और मेकअप सेटअप से लैस यह रूम मीडिया विद्यार्थियों को मीडिया प्रेजेंटेशन, स्टाइलिंग और कैमरा प्रेजेंस की समझ देता है, जो एक सफल ऑन-स्क्रीन पर्सनैलिटी बनने के लिए बहुत आवश्यक है।

संचार क्लब 'रेडी फॉर एवर' के संकल्प के साथ लाइव फील्ड वर्क

इस पूरे इकोसिस्टम के केंद्र में छात्र-संचालित 'संचार क्लब' है, जिसका आदर्श वाक्य है 'रेडी फॉर एवर' यह क्लब एक वास्तविक मीडिया संस्थान की तरह कार्य करता है, जहाँ विद्यार्थी रिपोर्टर, एंकर, फोटोग्राफर और सोशल मीडिया मैनेजर के रूप में कार्य करने का अनुभव प्राप्त करता है। विश्वविद्यालय के कार्यक्रम, विशेष आयोजन, प्रतियोगिता परीक्षा की कवरेज से लेकर अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेला, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जैसे बड़े मंचों को कवर करके यहाँ के छात्र स्नातक होने से पहले ही पूरी तरह मीडिया इंडस्ट्री प्रोफेशनल बनकर तैयार हो जाते हैं।

मीडिया लैब जहाँ विचारों के कंटेंट से बनती हैं सुर्खियां

मीडिया लैब को एक जीवंत कार्यक्षेत्र के रूप में डिजाइन किया गया है। यहाँ छात्र एडोब इनडिजाइन, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, प्रीमियर प्रो और आफ्टर इफेक्ट्स जैसे इंडस्ट्री-स्टैंडर्ड सॉफ्टवेयर पर तन्मयता से कार्य करते हैं। विद्यार्थियों की कलम से द्विभाषी टैब्लॉयड समाचार पत्र 'संचार' के लिए प्रॉडक्शन टीम की देखरेख में रिपोर्टिंग, एडिटिंग, लेआउट डिजाइनिंग और पब्लिशिंग करते हैं, जिससे उन्हें प्रिंट और डिजिटल मीडिया के प्रिंटिंग और पब्लिशिंग वर्कफ़्लो की पूरी समझ मिलती है।

पोस्ट-प्रोडक्शन रूम: दृश्यों को सिनेमाई रूप देने की कला

पोस्ट-प्रोडक्शन रूम में रॉ फुटेज को एक बेहतरीन कहानी में बदलने की प्रिक्रिया को सीखने का अवसर मिलता है। ऐपल मैक सेटअप और एडवांस एडिटिंग सिस्टम के माध्यम से छात्र वीडियो एडिटिंग, कलर करेक्शन, साउंड सिंक्रोनाइजेशन और वीएफएक्स जैसी तकनीक सीखते हैं। पत्रकारिता के विद्यार्थी डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म्स, पॉडकास्ट और न्यूज़ पैकेज तैयार करने का अनुभव प्राप्त करते हैं। मीडिया विभाग के छात्र दिल्ली एनसीआर और प्रदेश स्तर के सभी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल' जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी बनकर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरुस्कार प्राप्त कर अपनी कला दक्षता प्रदर्शित करते हैं।

ब्रॉडकास्ट का तकनीकी दिमाग

प्रोडक्शन कंट्रोल रूम

किसी भी लाइव ब्रॉडकास्ट के पीछे पीसीआर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मीडिया विभाग का पूरी तरह वातानुकूलित पीसीआर 12 पीसी सिस्टम, 4 मैकबुक, अत्याधुनिक ऑडियो कंसोल, साउंडक्राफ्ट, सूमो 19 और जेके ऑडियो डिजिटल हाइब्रिड सिस्टम से लैस है। यहाँ छात्र लाइव स्विचिंग, ग्राफिक्स इंटीग्रेशन, ऑडियो-विजुअल मैनेजमेंट और लाइव ऑडियो बैलेंसिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाते हैं।

आवाज को पहचान देने का मंच

ऑडियो प्रोडक्शन रूम

डिजिटल ऑडियो और पॉडकास्टिंग के तेजी से बदलते वर्तमान दौर में यह रूम विद्यार्थियों को रेडियो ब्रॉडकास्टिंग और साउंड प्रोडक्शन की दुनिया से जोड़ता है। 'लाइव ऑन एयर' सेटअप, मैक सिस्टम, ऑडियो मिक्सर और ऑडेसिटी जैसे सॉफ्टवेयर के माध्यम से मीडिया छात्र वॉयस मॉड्यूलेशन, साउंड एडिटिंग और रेडियो प्रोग्रामिंग का नियमित रूप से अभ्यास करते हैं।

Developed by Student of CMT for Practical Training Purposes. Patron- Prof. Rajive Kumar, Co-Patron: Prof. Anuradha Sharma, Prof. Pawan Singh, Editor: Mr. Dushyant Tyagi, Student Editor: Anjali Garg, Abha

For Feedback & Suggestions, Write Us At: chairperson.cmt@jcboseust.ac.in